बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झॉसी

पत्रांक–बु0वि0/एके0/2017/2878 दिनांकः– 19/6/2017

सेवा में,

प्राचार्य /प्राचांर्या
समस्त सम्बद्व महाविद्यालय
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी

विषय :– स्नातक / परास्नातक स्तर पर अंग्रेजी साहित्य एंव हिन्दी साहित्य विषय के पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में।

महोद्वय,

विद्यापरिषद् की बैठक दिनांक 02/06/2017 की कार्यवाही के मद संख्या 1(र) एवं 1(व) में निम्न निर्णय लिया गया।

निर्णय :–

(र) सम्यक् विचारोपरान्त अंग्रेजी विषय की पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनांक 07/03/2017 की कार्यवाही को यथावत स्वीकृत किया।

(व) सम्यक् विचारोपरान्त हिन्दी पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनांक 17/05/2017 में पुस्तकों के सम्पादकों की सूची में संक्षिप्त संशोधन हेतु माननीय कुलपति जी को अधिकृत किया एवं पाठ्यक्रम समिति द्वारा संस्तुत पाठ्यक्रम को स्वीकृत किया।

उक्त निर्णय (र) में बी0ए0 प्रथम वर्ष अंग्रेजी साहित्य तथा एम0ए0 अंग्रेजी प्रथम वर्ष एवं निर्णय (व) में बी0ए0 प्रथम वर्ष हिन्दी साहित्य तथा एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष पाठ्यक्रमों का पठन – पाठन शिक्षण सत्र 2017– 2018 से लागू किया जाना है। स्नातक /परास्नातक स्तर पर उक्त विषय के पाठ्यक्रमों को सत्र 2017– 2018 से अध्ययन /अध्यापन हेतु आपको प्रेषित किया जा रहा है।

कृपया विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् के निर्णयानुसार शिक्षण की कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्नक – बी0ए0, एम0ए0 अंग्रेजी एवं हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम।

(वीरेन्द्र प्रताप सिंह)
सहा0 कुलसचिव (एके0)

प्रतिलिपि- डा० दीपक तोमर ई-गवर्नेंस अधिकारी को यह उक्त पाठ्यक्रम सम्बद्ध महावि० की लाग इन आई डी पर अपलोड करने का कष्ट करें।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

बी.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम

(यह पाठ्यक्रम सत्र 2017-18 से विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में वार्षिक स्नातक पाठ्यक्रम में लागू किया जाएगा)

बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र - प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

पाठ्य पुस्तक – काव्य मंजूषा – सम्पादक डॉ. मुन्ना तिवारी, देव लाल मौर्य (राजकमल प्रकाशन समूह)

मूल पाठ

जगनिक, कबीरदास, मल्लिक मुहम्मदजायसी, गोस्वामीतुलसी दास, सूरदास, बिहारी लाल, घनानंद

द्रुत पाठ

चंदबरदाई, मीरा, केशव दास, रहीम, भूषण

अंक विभाजन :

(क) प्रथम प्रश्नपत्र व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा. अंक विभाजन इस प्रकार होगा-

(ख) व्याख्याएँ (मूल पाठ)	03x10 =30 अंक
(ग) आलोचनात्मक प्रश्न (मूल पाठ)	03x15 = 45 अंक
(घ) आलोचनात्मक प्रश्न (द्रुत पाठ)	05x05 = 25 अंक

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. सम्पूर्ण आल्हा खण्ड –संपादक रूपेश, मुंबई प्रेस
2. मध्ययुगीन काव्य साधना : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. कबीर मीमांसा – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. कबीर : एक नयी दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती इलाहाबाद
6. जायसी : एक नयी दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती इलाहाबाद

7. जायसी : विजयदेव नारायण शाही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
8. संत साहित्य की समझ : नन्द किशोर पाण्डेय
9. पूरा कबीर : बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
10. सूफी मत साधना और साहित्य : रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल वाराणसी
11. हिन्दी संत काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन : वासुदेव सिंह
12. कबीर और भारतीय संत साहित्य : रामचंद्र तिवारी विश्वविद्यालय प्रकाशन
13. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह
14. लोकवादी तुलसी विश्वनाथ त्रिपाठी
15. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
16. भक्ति काव्य की भूमिका : प्रेमशंकर
17. मीराबाई – श्रीकृष्ण लाल, आनंद पुस्तक भवन वाराणसी
18. मीरा एक पुनर्मूल्यांकन : सं. पल्लव आधार प्रकाशन, पंचकुला
19. रसखान : श्यामसुंदर दास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
20. परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
21. महाकवि सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
22. सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी
23. महाकवि सूरदास - नंददुलारे वाजपेई
24. भक्तिकाव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
25. उत्तर भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
26. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
27. जायसी : परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
28. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
29. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, लोकभारती, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
30. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
31. मध्ययुगीन काव्य साधना – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
32. रीतिकालीन वीर काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन – शिवनारायण सिंह
33. घनानन्द और स्वच्छंद काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
34. केशव की काव्यकला – कृष्णशंकर शुक्ल
35. आचार्य केशवदास – हीरालाल दीक्षित
36. केशव का आचार्यत्व – विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली

17.5.2017

17.5.17

37. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग – 2, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
38. केशव की काव्यभाषा – सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
39. घनानंद का श्रृंगार काव्य – रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
40. बिहारी और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
41. रीतिकाव्य स्वच्छन्दधारा – कृष्णचन्द्र वर्मा

17-5-2017

17.05.17

द्वितीय प्रश्न पत्र- हिन्दी गद्य साहित्य

पाठ्यक्रम

मूल पाठ

उपन्यास – झाँसी की रानी (वृन्दावनलाल वर्मा) एवं इदन्नमम्(मैत्रेयी पुष्पा)– ~~संक्षिप्त – (डॉ.मुन्ना तिवारी)~~

नाटक – ध्रुवस्वामिनी (जयशंकर प्रसाद)

निबंध –पाठ्य पुस्तक - निबंध निकष - डॉ. गया यादव 'सनेही' एवं विनम्र सेन सिंह

कहानी – कहानी किरीट–डॉ. उषा पाठक एवं डॉ. अचला पाण्डेय

द्रुत पाठ

एकांकी - पाठ्य पुस्तक –रंग कलश – डॉ. श्रीहरी त्रिपाठी एवं नवीनचन्द पटेल

प्रकीर्ण साहित्य– पाठ्य पुस्तक –प्रकीर्णिका शिखर – डॉ. राकेश नारायण द्विवेदी एवं डॉ. रामप्रताप सिंह

अंक विभाजन :

(क) प्रथम प्रश्नपत्र व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा. अंक विभाजन इस प्रकार होगा-

(ख) व्याख्याएँ (मूल पाठ)	03x10 =30 अंक
(ग) आलोचनात्मक प्रश्न (मूल पाठ)	03x15 = 45 अंक
(घ) आलोचनात्मक प्रश्न (द्रुत पाठ)	05x05 = 25 अंक

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ सूची</u> –

1. प्रेमचन्द और उनका युग –रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. प्रेमचन्द : एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास –गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. अज्ञेय के उपन्यास : गोपाल राय
5. अज्ञेय का कथा साहित्य –ओम प्रभाकर
6. कहानी नयी कहानी –नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

17.5.2017 17/5/17

7. आज की हिन्दी कहानी – विजय मोहन सिंह
8. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य : रामकली सर्राफ
10. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत वांदिवडेकर
11. प्रसाद के नाटकों में नियतिवाद – पद्माकर शर्मा
12. हिन्दी नाटककार – जयनाथ नलिन
13. हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास – रामनारायण सिंह
14. महादेवी – सं. डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव
15. हिन्दी उपन्यास – डॉ. शिव नारायण श्रीवास्तव
16. प्रसाद के नाटक – डॉ. गोविन्द चातक
17. हिन्दी निबंधकार – डॉ. रामचंद्र वाजपेयी
18. नवें दशक की कथाकार – सं. धर्मेन्द्र गुप्त
19. प्रसाद के तीन नाटक – डॉ. प्रेमनारायण टंडन
20. ललित निबंध – डॉ. विद्यानिवास मिश्र
21. हिन्दी गद्य की नवीन विधायें – राजेंद्र प्रसाद
22. हिन्दी के प्रमुख निबंधकार – द्वारिका प्रसाद सक्सेना

17-5-2017 17/5/17

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

बी.ए. हिन्दी द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम

(यह पाठ्यक्रम सत्र 2018-19 से विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में वार्षिक स्नातक पाठ्यक्रम में लागू किया जाएगा)

बी०ए० द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र - आधुनिक हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तक -काव्य मंजरी– डॉ. मुन्ना तिवारी एवं डॉ. प्रेमलता

मूल पाठ

मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पन्त,सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, केदारनाथ अग्रवाल

द्रुत पाठ

शमशेर बहादुर सिंह, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, भवानीप्रसाद मिश्र, सुदामाप्रसाद पाण्डेय 'धूमिल', श्री नरेश मेहता

अंक विभाजन :

(क) **प्रथम प्रश्नपत्र व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा. अंक विभाजन इस प्रकार होगा-**

(ख) **व्याख्याएँ (मूल पाठ)** 03x10 =30 अंक

(ग) **आलोचनात्मक प्रश्न (मूल पाठ)** 03x15 = 45 अंक

(घ) **आलोचनात्मक प्रश्न (द्रुत पाठ)** 05x05 = 25 अंक

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ सूची</u> –

1. जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन, लेखक डॉ. विनोद शाही, आधार प्रकाशन, एस.सी.एफ. 267 सेक्टर 16, पंचकुला – 134113 हरियाणा
2. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

17.5.2017 17/5/17

3. जयशंकर प्रसाद : नन्द दुलारे वाजपेयी, कमल प्रकाशन, 91, नेपियर टाउन, जबलपुर-1
4. कल्पना और छायावाद : केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. छायावाद के गीतशिखर : सुरेश गौतम, शब्द सेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता – प्रभाकर श्रोत्रीय, भारतीय ज्ञानपीठ नयी दिल्ली
7. सम्पूर्ण कामायनी – हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
8. आधुनिक कविता यात्रा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. निराला की कविताएं और काव्यभाषा : रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. निराला की दो लम्बी कविताएं, जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
12. निराला की साहित्य साधना : भाग दो – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. महाप्राण निराला : एक पुनर्मूल्यांकन – सं. प्रेमशंकर त्रिपाठी, बड़ा बाजार कुमार सभा पुस्तकालय, कलकत्ता
14. सुमित्रानंदन पंत : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
15. सुमित्रानंदन पंत : नारायण दत्त पालीवाल, नीलकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. सुमित्रानंदन पंत : सं. सदानन्द प्रसाद गुप्त, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर
17. कामायनी का शैली वैज्ञानिक अध्ययन : सुरेन्द्र दुबे, 'शब्द और शब्द' दिल्ली
18. महादेवी वर्मा : डॉ. जगदीश गुप्त
19. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह
20. दिनकर : विजेंद्र नारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
21. मैथिलीशरण गुप्त : रेवती रमण, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
22. साकेत : एक अध्ययन : डॉ. नगेन्द्र
23. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
24. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
25. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी
26. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
27. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानन्द श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

17.5.2017 17/5/17

28. समकालीन कविता की प्रवृत्तियां – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
29. अज्ञेय और नयी कविता – चन्द्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
30. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
31. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
32. समकालीन काव्य यात्रा – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
33. धूमिल और परवर्ती जनवादी कविता – श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वर प्रकाशन, अहमदाबाद
34. हिन्दी की प्रगतिशील कविता – लल्लन राय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चंडीगढ़
35. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – रामचंद्र तिवारी
36. हिन्दी की जनवादी कविता – विशिष्ठ अनूप

17.5.2017

पाठ्यक्रम

(क) हिन्दी कविता का इतिहास – आदिकाल, पूर्व मध्य काल, उत्तर मध्य काल, आधुनिक काल (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता).

(ख) हिन्दी कथा साहित्य का इतिहास – (पूर्व प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचंदोत्तर युग – मनोविश्लेषण, सामाजिक, ऐतिहासिक, आंचलिक

(ग) हिन्दी नाट्य साहित्य का इतिहास – (पूर्वप्रसाद युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग का नाट्य साहित्य).

(घ) हिन्दी निबन्ध साहित्य का इतिहास – (पूर्व शुक्ल युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग)

अंक विभाजन :

प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा. अंक विभाजन इस प्रकार होगा-

आलोचनात्मक प्रश्न 20x05 = 100 अंक

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का अतीत : दोनों भाग, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : राम कुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरुप – सुमन राजे
6. साहित्येतिहास आदिकाल – सुमन राजे
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राष्ट्रभाषा परिषद् पटना
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक: डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, नयी दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिन्दी साहित्य का उदभव और विकास, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि :मैनेजर पाण्डेय,पीपुल्स लिटरेसी दिल्ली
13. रीतिकाल की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
14. हिन्दी काव्य : स्वच्छंद धारा : कृष्णचन्द्र वर्मा
15. हिन्दी साहित्य का पुनर्मूल्यांकन : विद्यानिवास मिश्र

17-5-2017

17/5/17

16. भारतेंदु युग और हिन्दी भाषा की विकास परंपरा, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
18. नयी कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
19. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
20. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
21. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
22. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली
23. समकालीन कविता कीप्रवृत्तियां– रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
24. फ़िलहाल – अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

17.5.2017

17/5/17

बी.ए. हिन्दी तृतीय वर्ष पाठ्यक्रम

(यह पाठ्यक्रम सत्र 2019-20 से विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में वार्षिक स्नातक पाठ्यक्रम में लागू किया जाएगा)

बी०ए० तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र - बुन्देली साहित्य

पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तक- बुन्देली साहित्य– डॉ. पुनीत बिसारिया एवं डॉ. संजय सक्सेना

मूल पाठ

बुन्देली साहित्य –ईसुरी, गंगाधर व्यास, रामचरण हयारण 'मित्र', शिवानन्द मिश्र 'बुंदेला', रतिभान तिवारी 'कंज', संतोष बुंदेला, दुर्गेश दीक्षित.

द्रुत पाठ

बुन्देली लोक साहित्य - बुन्देली लोक गीतबुन्देली लोक गाथा, बुन्देली लोक नाट्य और बुन्देली लोक नृत्य

अंक विभाजन :

(क) **प्रथम प्रश्नपत्र व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा. अंक विभाजन इस प्रकार होगा-**

(ख) **व्याख्याएँ (मूल पाठ)** 03x10 =30 **अंक**

(ग) **आलोचनात्मक प्रश्न (मूल पाठ)** 03x15 = 45 **अंक**

(घ) **आलोचनात्मक प्रश्न (द्रुत पाठ)** 05x05 = 25 **अंक**

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. **बुन्देलखण्ड की संस्कृति और साहित्य - रामचरण हयारण मिश्र**
2. **उदय और विकास – रामचरण हयारण मिश्र**
3. **बुन्देलखंड की लोक संस्कृति का इतिहास - डॉ. नर्मदा प्रसाद गुप्त**
4. **बुन्देलखंड का संक्षिप्त इतिहास – गोरे लाल तिवारी**
5. **बुन्देली भाषा और साहित्य – कृष्णानन्द गुप्त**

17.5.2017

6. बुन्देलखंड के लोकगीत – शिवसहाय चतुर्वेदी
7. बुन्देली का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. राजेश्वर प्रसाद अग्रवाल
8. बुन्देलखंड का साहित्यिक इतिहास – डॉ. नर्मदा प्रसाद गुप्त
9. बुन्देली भाषा, साहित्य का इतिहास – डॉ. रामनारायण शर्मा
10. बुन्देली भाषा, साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. कन्हैयालाल कलश
11. बुन्देलवार्ता – अवधकिशोर अवधेश
12. बुन्देली कहानियाँ – डॉ. रामनारायण शर्मा
13. बुन्देली शब्दकोश – डॉ. रामनारायण शर्मा
14. बुन्देली भाषा व्याकरण – डॉ. कन्हैयालाल कलश
15. बुन्देली लोकोक्ति कोश – डॉ. गौरीशंकर उपाध्याय 'सरल' (भाग -1)
16. बुन्देली लोकोक्ति कोश – डॉ. गौरीशंकर उपाध्याय 'सरल' (भाग – 2)
17. बुन्देली मुहावरा कोश - डॉ. गौरीशंकर उपाध्याय 'सरल'

17-5-2017

17/5/17

(भारतीय काव्य शास्त्र,पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना - 100 अंक)

पाठ्यक्रम

भारतीय काव्य शास्त्र -

1. काव्य की परिभाषा, काव्य के लक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु
2. रस का स्वरुप, रस के भेद, रस के अवयव
3. अलंकार का स्वरुप– अलंकारों का वर्गीकरण, प्रमुख अलंकार, यमक, श्लेष,वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, प्रतीप, व्यतिरेक, अपह्नुति, विभावना, विसंगति, विशेषोक्ति
4. काव्य गुण
5. काव्य दोष
6. शब्द शक्ति
7. नाटक के तत्व

पाश्चात्य काव्यशास्त्र –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूप रेखा
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख विचारक – प्लेटो, अरस्तू, लोंजायनस, एलियट, क्रोचे
3. प्रमुख वाद – शास्त्रीयतावाद, स्वछंदतावाद, यथार्थवाद, प्रतीकवाद, बिम्बवाद, कल्पना, फैंटेसी, मिथक

हिन्दी आलोचना –

शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी,शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

समाजशास्त्रीय

आलोचक - आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल,आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे बाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा

अंक विभाजन :

प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा. प्रत्येक खण्ड से 01 प्रश्न करना अनिवार्य है. अंक विभाजन इस प्रकार होगा-

आलोचनात्मक प्रश्न (मूल पाठ) 20x05 = 100 अंक

17-5-2017 13/5/17

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. भारतीय काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय काव्यशास्त्र – हरिश्चंद्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
3. भारतीय काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन,, नयी दिल्ली
4. भारतीय काव्य चिन्तन – डॉ. शोभाकांत मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना
5. भारतीय साहित्यशास्त्र – गणेश त्रयम्बक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना
6. रस मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. हिस्ट्री ऑफ़ संस्कृत पोएटिक्स – पी. वी. काणे,मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
8. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
9. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. भारतीय काव्य विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा – राधावल्लभ त्रिपाठी
12. संस्कृत काव्य शास्त्र – बलदेव उपाध्याय
13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन दिल्ली
15. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
16. अरस्तू का काव्यशास्त्र – सं. - डॉ. नगेन्द्र, भारती भंडार इलाहाबाद
17. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा – डॉ. निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
18. पाश्चात्य काव्य चिंतन – करुणा शंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
19. आलोचना की धारणाएं – रेनेवेलेक अनुवाद : इंद्रनाथ मदान, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकुला
20. लिट्रेसी क्रिटिसिज्म : ए शार्ट हिस्ट्री : डब्ल्यू० सी० ब्रुक्स – आई बी एच पब्लिकेशन लिमिटेड, न्यू डेल्ही
21. अस्तित्ववाद – किर्केगार्द से कामू तक – योगेन्द्र शाही, मैकमिलन इंडिया, कलकत्ता
22. नयी समीक्षा के प्रतिमान – सम्पा. – निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
23. उत्तर आधुनिकता : स्वरुप और आयाम – बैजनाथ सिंहल हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला
24. हिन्दी आलोचना का विकास, नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
25. हिन्दी आलोचना :विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
26. आलोचक का दायित्व : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
27. आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, नयी दिल्ली
28. रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

17.5.2017

29. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह
30. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ : रामेश्वर लाल खण्डेलवाल, राधा कृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
31. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और परवर्ती आलोचना : अमरनाथ शब्द और शब्द, नयी दिल्ली
32. हिन्दी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार : रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद
33. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आलोचना का अर्थ : अर्थ की आलोचना – रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
34. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : प्रस्थान और परम्परा – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
35. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोश – रामचंद्र तिवारी विश्वविधाय प्रकाशन, वाराणसी
36. आधुनिक हिन्दी आलोचना सन्दर्भ एवं दृष्टि – रामचंद्र तिवारी, प्रत्युष प्रकाशन, सरस्वती सदन, बेतियाहाता, गोरखपुर

17.5.2017

17/5/17

तृतीय प्रश्न पत्र – प्रयोजनमूलक हिन्दी, सिनेमा एवं पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम

1. **कामकाजी हिन्दी** -(हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा), कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार, प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, पारिभाषिक शब्दावली, स्वरूप एवं महत्व
2. हिन्दी कंप्यूटिंग – (कंप्यूटर परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, हिन्दी के प्रमुख इन्टरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर)
3. पत्रकारिता – (स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक प्रूफशोधन, शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक संपादन, सम्पादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता
4. मीडिया लेखन – (जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप, स्वरूप, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज, दृश्य -श्रव्य माध्यम, विज्ञापन की भाषा.
5. अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार – (अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
6. सिनेमा–हिन्दी सिनेमा का इतिहास, सिनेमा और साहित्य के अंतर्संबंध, हिन्दी सिनेमा में नायक का महत्व, हिन्दी सिनेमा में नायिका के बदलते रूप, पॉपुलर या लोकप्रिय सिनेमा, समांतर सिनेमा, नई सहस्राब्दि का सिनेमा, हिन्दी सिनेमा में गीत-संगीत का महत्व
7. पटकथा लेखन– स्वरुप, परिचय, महत्व, टेलीड्रामा, डॉक्यूड्रामा, संवाद लेखन,

अंक विभाजन :

प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा. अंक विभाजन इस प्रकार होगा-

आलोचनात्मक प्रश्न 20x05 = 100 अंक

17-5-2017 17/5/17

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी – दंगल झाल्टे
2. कार्यालय कार्य बोध – हरिबाबू कंसल
3. कामकाजी हिन्दी – कैलाशचंद्र भाटिया
4. व्यावहारिक हिन्दी – कृष्ण विकल
5. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ – रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रामनाथ सहाय, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
6. राष्ट्रभाषा और हिन्दी – राजेंद्र मोहन भटनागर, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
7. हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका – भोलानाथ तिवारी एवं मुकुल प्रियदर्शनी, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास
8. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. प्रयोजन मूलक हिन्दी – रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
10. प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल
11. आवेदन प्रारूप – एस.एन. चतुर्वेदी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
12. कार्यालयी हिन्दी – विजय पाल सिंह
13. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और व्यवहार – रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
14. प्रयोजन मूलक हिन्दी : विविध आयाम - माया सिंह
15. प्रयोजन मूलक हिन्दी का अध्ययन – सुशीला गुप्ता
16. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी – डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया
17. व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया
18. व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. नारायण दत्त पालीवाल
19. अनुवाद की दिशाएं – डॉ. हरि मोहन
20. कंप्यूटर और हिन्दी – डॉ. हरि मोहन
21. समाचार फीचर लेखन एवं संपादन - डॉ. हरि मोहन
22. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना – अर्जुन तिवारी
23. पत्र व्यवहार निर्देशिका – डॉ. भोलानाथ तिवारी
24. हिन्दी भाषा – महावीरप्रसाद द्विवेदी
25. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन – सविता चड्ढा

17-5-2017

26. फिल्म निर्देशन : कुलदीप सिन्हा
27. भारतीय सिनेमा का सफरनामा : डॉ. पुनीत बिसारिया
28. हिंदी सिनेमा का इतिहास - मनमोहन चड्ढा
29. नया सिनेमा - ब्रजेश्वर मदान
30. भारतीय सिने सिद्धांत - अनुपम ओझा
31. सिनेमा : कल, आज, कल - विनोद भारद्वाज
32. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष - प्रकाशन विभाग
33. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष - प्रह्लाद अग्रवाल
34. राजकपूर : आधी हकीकत, आधा फसाना - प्रह्लाद अग्रवाल
35. सिनेमा का जादुई सफर - प्रताप सिंह
36. मोहम्मद रफी : पैगम्बर-ए-मौसिकी - जिया इमाम
37. नौशाद : ज़र्रा जो आफताब बना - जिया इमाम
38. सिनेमा के बारे में जावेद अख़्तर से बातचीत - नसरीन मुन्नी कबीर
39. गुरुदत्त - विमल मित्र
40. सत्यजीत रे - महेंद्र मिश्र
41. कैमरा मेरी तीसरी आँख – राधू कर्माकर
42. धुनों की यात्रा - पंकज राग
43. पटकथा लेखन : असगर वजाहत
44. पटकथा लेखन : मनोहरश्याम जोशी
45. हिन्दी में पटकथा लेखन : जाकिर अली रजनीश
46. नया ज्ञानोदय, हंस, समसामयिक सृजन और लमही पत्रिकाओं के सिनेमा विशेषांक

17.5.2017 12/07/17